International Journal of Humanities and Social Science Research
ISSN: 2455-2070; Impact Factor: RJIF 5.22
www.socialsciencejournal.in
Volume 3; Issue 5; May 2017; Page No. 100-102

सर्वशिक्षा अभियान का गुणात्मक अध्ययन : हरियाणा प्रदेश के माध्यमिक स्कूलों के संदर्भ में

रेणु
शोधार्थी, पीएच0 डी0, एजूकेशन सिंघानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान, भारत।

सारांश
स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ शिक्षा के प्रसार के लिए वर्ष 1950 में भारतीय संविधान के नीति निर्देशक तथ्यों के अंतर्गत यह व्यवस्था की गयी कि राज्य 10 वर्षों के भीतर 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करेंगे। भारत द्वारा सरकार माध्यमिक शिक्षा में भी सर्वशिक्षा अभियान की तर्ज पर अभियान चलाने का प्रस्ताव रखा जा रहा है। प्रस्तुत लेख में सर्वशिक्षा के तहत स्कूलों में दी जा रही आधारभूत सुविधाओं का गुणात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन के लिए हरियाणा प्रदेश के तीन जिलों पंचकूला, यमुनानगर व कुरुक्षेत्र जिलों को चुना गया। अध्ययन के दौरान पाया गया कि सर्वशिक्षा अभियान के तहत दी जाने वाली आधारभूत सुविधाएँ अधिकतर स्कूलों में उपलब्ध है। यह योजना एक बेहतर कार्यान्वयन है। इस योजना में आई कुछ कमियों को दूर करके हम शिक्षा की सार्वभौमिकता को प्राप्त कर सकते हैं।

मूल शब्द: अनुदान, नीतिनिर्देशक, उपबंध, आवासीय सुविधा, सार्वभौमिकरण।

प्रस्तावना
स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् से ही शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 6–14 वर्ष तक के बच्चों की निःशुल्क शिक्षा के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए गए। सर्वशिक्षा अभियान, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसकी शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा एक निश्चित समयावधि के तरीके से प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को प्राप्त करने के लिए किया गया, जैसा कि भारतीय संविधान के 86वें संशोधन द्वारा निर्देशित किया गया है जिसके तहत 6–14 साल तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के प्रावधान को मौलिक अधिकार बनाया गया है। इस योजना के द्वारा पूरे देश में प्रारंभिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार की बात की गई।
माध्यमिक शिक्षा सम्पूर्ण शिक्षा प्रबंध का एक महत्त्वपूर्ण भाग है। माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने वाले सामान्य बालकों की आयु 14–18 वर्ष है। शिक्षा के अधिकार कानून ने प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को संवैधानिक उपबंध बना दिया है। प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के बाद माध्यमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण पर भी विचार किया जाने लगा। सर्वशिक्षा अभियान के तहत स्कूलों में विभिन्न सुविधाएँ प्रदान की गई हैं जैसे–विद्यालय सुविधाएँ, कक्षा, निःशुल्क किताबें, वर्दी, मिड–डे–मील, विद्यालय भवन की संभाल, शिक्षण अधिगम सामग्री, विद्यालय अनुदान, शिक्षक अनुदान, अपाहिज बच्चों के लिए विशेष योजनाएँ आदि।

अध्ययन का विषय
विषय वर्तमान सोच को व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करता है। अध्ययन का विषय है– "सर्वशिक्षा अभियान का गुणात्मक अध्ययन : हरियाणा प्रदेश के माध्यमिक स्कूलों के संदर्भ में।"

वर्तमान अध्ययन के उद्देश्य
वर्तमान अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं–
1. सर्वशिक्षा अभियान के तहत मिलने वाली सुविधाओं की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।
2. स्कूलों में दी जो वाली सुविधाओं जैसे–कक्षा–कक्ष, ब्लैक बोर्ड, पानी, शौचालय आदि का अध्ययन करना।
3. स्कूलों में सर्वशिक्षा अभियान के तहत दिए जाने वाले मिड–डे–मील का गुणात्मक अध्ययन करना है।

अध्ययन की परिसीमन
अध्ययन के लिए हरियाणा प्रदेश के तीन जिले – पंचकुला, यमुनानगर तथा कुरुक्षेत्र जिले के माध्यमिक स्कूलों को चुना गया है।

उपकरण
स्वयं निर्मित प्रश्नावली द्वारा छात्रों से सर्वशिक्षा अभियान के संबंध में जानकारी एकत्र की गई। जिसमें प्रश्नों के उत्तर हाँ या नहीं में प्राप्त किए गए।

सांख्यिकीय विधि
अध्ययन में तथ्यों की प्रकृति को (:प्रतिशत) के द्वारा गणना की गई है।

न्यादर्श प्रारूप
निम्नलिखित तालिका अध्ययन के लिए चुन गए छात्रों की संख्या को प्रस्तुत करती है।

तालिका 1: न्यादर्श का प्रतिनिधित्व (चित्रण)

क्रम संख्या	जिले का नाम	विद्यार्थियों की संख्या	स्कूल की संख्या	कुल संख्या
1.	कुरुक्षेत्र	10	5	50
2.	यमुनानगर	10	5	50
3.	पंचकुला	10	5	50
		कुल छात्रों की संख्या		150

भाग-1
प्रस्तुत तालिकाएँ छात्रों को स्कूलों में दी जाने वाली सुविधाओं के आँकड़ों को प्रस्तुत करती हैं–

तालिका 2: पंचकुला के स्कूलों में स्थल

क्रम संख्या	स्थल	हाँ %	नहीं %
1.	कक्षा–कक्ष	100%	0%
2.	कम्प्यूटर कक्ष	96%	4%
3.	खेल का मैदान	76%	28%

तालिका 3: पंचकुला के स्कूलों में आधारभूत सुविधाएँ

क्रम संख्या	सुविधाएँ	हाँ %		नहीं %
1	ब्लैक बोर्ड	100%		0%
2	फर्नीचर	100%		0%
3	मिड–डे–मील	100%		0%
4	पानी की व्यवस्था	100% अच्छी		0% अच्छी नही
5	शौचालय की व्यवस्था	100%		0%
6	कम्प्यूटर अध्यापक	96%		4%
7	पुस्तकालय	62%		38%
8	प्रयोगशाला	72%		28%
9	आर्ट एण्ड क्राफ्ट	44%		56%
10	वर्दी	100%		0%
11	किताब	100%		0%
12	किताबों के मिलने का समय	आरंभ	मध्य	अंत
		92%	8%	0%

तालिका 4: पंचकुला के स्कूलों में छात्रों को दी जाने वाली सुविधाएँ

क्रम संख्या	सुविधाए	हाँ %	नहीं %
1.	छात्र वृत्तिया	94%	6%
2.	साइकिल	54%	46%
3.	यातायात	8% अच्छी	92% अच्छी नहीं
4.	छात्रावास	0%	100%
5.	5 किलोमीटर दूरी पर स्कूल	10%	90%

तालिका 5: कुरुक्षेत्र के स्कूलों में स्थल की सुविधा

क्रम संख्या	स्थल	हाँ %	नहीं %
1.	कक्षा कक्ष	100%	0%
2.	कम्प्यूटर कक्ष	74%	26%
3.	खेल का मैदान	94%	6%

तालिका 6: कुरुक्षेत्र के स्कूलों में दी जाने वाली सुविधाएँ

क्रम संख्या	सुविधाएँ	हाँ %		नहीं %
1.	ब्लैक बोर्ड	100%		0%
2.	फर्नीचर	98%		2%
3.	मिड–डे–मील	92%		8%
4.	पानी की व्यवस्था	88% अच्छी		12% अच्छी नहीं
5.	शौचालय की व्यवस्था	94%		6%
6.	कम्प्यूटर अध्यापक	80%		20%
7.	पुस्तकालय	62%		38%
8.	प्रयोगशाला	88%		12%
9.	आर्ट एण्ड क्राफ्ट	42%		58%
10.	वर्दी	96%		4%
11.	किताबे	96%		4%
12.	किताबों के मिलने का समय	आरंभ	मध्य	अन्त
		46%	54%	0%

तालिका 7: कुरुक्षेत्र के स्कूलों में दी जाने वाली सुविधाएँ

क्रम संख्या	सुविधाएँ	हाँ %	नहीं %
1.	छात्रवृत्तिया	96%	4%
2.	साइकिल	80%	20%
3.	यातायात	16% अच्छी	84% अच्छी नहीं
4.	छात्रावास	0%	100%
5.	5 कि.मी. से दूरी पर स्कूल	62%	38%

तालिका 8: यमुनानगर के स्कूल स्थल

क्रम संख्या	स्थल	हाँ %	नहीं %
1.	कक्षा–कक्ष	100%	0%
2.	कम्प्यूटर कक्ष	78%	22%
3.	खेल का मैदान	100%	0%

तालिका 9: यमुनानगर के स्कूलों में दी जाने वाली सुविधाएँ

क्रम संख्या	सुविधाएँ	हाँ %		नहीं %
1.	ब्लैक बोर्ड	100%		0%
2.	फर्नीचर	100%		0%
3.	मिड–डे–मील	100%		0%
4.	पानी की व्यवस्था	100%अच्छी		0% अच्छी नहीं
5.	शौचालय की व्यवस्था	100%		0%
6.	कम्प्यूटर अध्यापक	82%		18%
7.	पुस्तकालय	100%		0%
8.	प्रयोगशाला	100%		0%
9.	आर्ट एण्ड क्राफ्ट	100%		0%
10.	वर्दी	100%		0%
11.	किताबें	100%		0%
12.	किताबों के मिलने का समय	आरंभ	मध्य	अन्त
		100%	0%	0%

तालिका 10: यमुनानगर के स्कूलों में दी जाने वाली सुविधाएँ

क्रम संख्या	सुविधाए	हाँ %	नहीं %
1.	छात्रवृत्तिया	96%	4%
2.	साइकिल	90%	10%
3.	यातायात	12%अच्छी	88% अच्छी नहीं
4.	छात्रावास	0%	100%
5.	स्कूल की दूरी	12%	88%

विश्लेषण तथा विवेचना

तालिका नं.–2 दर्शाती है कि पंचकूला जिले के सभी स्कूलों में कक्षा–कक्ष की सुविधा उपलब्ध है। 100 प्रतिशत स्कूलों में कक्षा–कक्ष उपलब्ध है। अध्ययन के दौरान पाया गया कि कुछ स्कूलों में कम्प्यूटर की शिक्षा नहीं दी जाती है। खेल का मैदान 76 प्रतिशत स्कूलों में छात्रों को उपलब्ध है। तालिका–3 से पता चलता है कि ब्लैक बोर्ड व्यवस्था, फर्नीचर की सुविधा तथा मिड–डे–मील की सुविधा सभी स्कूलों में छात्रों को उपलब्ध है। 100 प्रतिशत छात्रों को स्कूलों में पानी की व्यवस्था अच्छी उपलब्ध होती है। 100 प्रतिशत स्कूलों में छात्रों को शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध है। 96 प्रतिशत स्कूलों में कम्प्यूटर अध्यापकों की नियुक्ति है जबकि 4 प्रतिशत छात्रों को यह सुविधा नहीं मिलती है। 62 प्रतिशत छात्रों को स्कूलों में पुस्तकालय की व्यवस्था प्राप्त होती है, जबकि 38 प्रतिशत छात्रों को नहीं। 72 प्रतिशत स्कूली छात्रों को प्रयोगशाला को सुविधा मिलती है, जबकि 28 प्रतिशत को नहीं।

अध्ययन में पाया गया कि 44 प्रतिशत छात्रों को आर्ट एण्ड क्राफ्ट की शिक्षा दी जाती है। जबकि 56 प्रतिशत छात्रों को नहीं। पंचकुला जिले के 100 प्रतिशत छात्रों को वर्दी व किताबों की निःशुल्क व्यवस्था प्राप्त होती है। 92 प्रतिशत छात्रों को किताबें आरम्भ में तथा 8 प्रतिशत छात्रों को मध्य में मिलती हैं। तालिका नं. 4 से ज्ञात होता है कि 94 प्रतिशत छात्रों को छात्रवृत्तियों की सुविधा उपलब्ध है, जबकि 6 प्रतिशत को नहीं। 54 प्रतिशत छात्रों को साइकिल की सुविधा प्राप्त है, लेकिन 46 प्रतिशत को नहीं है। 8 प्रतिशत छात्रों को यातायात की सुविधा अच्छी मिलती है जबकि 92 प्रतिशत छात्रों को अच्छी नहीं मिलती हैं। तालिका में प्रदर्शित आंकड़े दर्शाते हैं कि स्कूलों में छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं है। आंकड़ों से पता चलता है कि 10 प्रतिशत छात्रों के स्कूल 5 किलोमीटर की दूरी पर है, जबकि 90 प्रतिशत छात्रों के पास में ही स्कूल की व्यवस्था उपलब्ध है।

तालिका नं. 5 दर्शाती है कि कुरुक्षेत्र जिले के 100 प्रतिशत छात्रों की कक्षा–कक्ष उपलब्ध है तथा 74 प्रतिशत छात्रों की कम्प्यूटर कक्ष उपलब्ध है, जबकि 26 प्रतिशत छात्रों का उत्तर नहीं में है। 94 प्रतिशत छात्रों को खेल का मैदान उपलब्ध है, जबकि 6 प्रतिशत स्कूलों में छात्रों की यह सुविधा नहीं मिलती है। तालिका नं. 6 दर्शाती है कि कुरुक्षेत्र जिले के 100 प्रतिशत छात्रों की ब्लैक बोर्ड तथा 98 प्रतिशत छात्रों मिड–डे–मील की सुविधा प्राप्त है जबकि 8 प्रतिशत को नहीं। 88 प्रतिशत छात्रों ने पानी की व्यवस्था को अच्छा बताया है जबकि 12 प्रतिशत छात्रों ने नहीं बताया है। 96 प्रतिशत छात्रों को शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध है। आंकड़े दर्शाते हैं कि 80 प्रतिशत स्कूलों में कम्प्यूटर अध्यापक है, जबकि 20 प्रतिशत में नहीं है। तालिका दर्शाती है कि 62 प्रतिशत छात्रों को प्रयोगशाला की सुविधा उपलब्ध है जबकि 38 प्रतिशत छात्रों को नहीं है। 88 प्रतिशत छात्रों को पुस्तकालय तथा 42 प्रतिशत को ही आर्ट एण्ड क्राफ्ट की शिक्षा दी जाती है। 96 प्रतिशत छात्रों को वर्दी व किताबों की सुविधा उपलब्ध है। 46 प्रतिशत छात्रों को पुस्तकें देरी से प्राप्त हुई, जबकि 54 प्रतिशत को मध्य में मिली हैं। तालिका संख्या नं. 7 के आंकड़े दर्शाते हैं कि 96 प्रतिशत छात्रों को छात्रवृत्तियाँ मिलती हैं तथा 80 प्रतिशत छात्रों को साइकिल की सुविधा प्राप्त है। 84 प्रतिशत छात्रों को यातायात की अच्छी सुविधा नहीं मिलती है। आँकड़ों से पता चलता है कि 38 प्रतिशत बच्चों को ज्यादा दूर स्कूल के लिए नहीं जाना पड़ता, जबकि कुरुक्षेत्र जिले के 62 प्रतिशत छात्रों को 5 किलोमीटर से दूर स्थित स्कूल जाना पड़ता है।

तालिका संख्या नं. 8 से पला चलता है कि यमुनानगर जिले के 100 प्रतिशत छात्रों को कक्षा–कक्ष तथा 78 प्रतिशत छात्रों को कम्प्यूटर कक्ष की सुविधा उपलब्ध है। 100 प्रतिशत छात्रों को स्कूलों में खेल के मैदान की सुविधा प्राप्त है। तालिका संख्या नं. 9 से पता चलता है कि 100 प्रतिशत छात्रों को ब्लैक बोर्ड व फर्नीचर की सुविधा उपलब्ध है। 100 छात्रों को मिड–डे–मील, पानी की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था तथा पुस्तकालय व प्रयोगशाला की व्यवस्था उपलब्ध है। 82 प्रतिशत कम्प्यूटर अध्यापक की सुविधा उपलब्ध है, जबकि 18 प्रतिशत को नहीं है। यमुनानगर जिले के 100 प्रतिशत छात्रों की वर्दी व किताबों की व्यवस्था समय पर उपलब्ध हो जाती है। तालिका संख्या नं. 10 के आंकड़ों से पता चलता है कि 96 प्रतिशत छात्रों को छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध है। आँकड़े दर्शाते हैं कि 12 प्रतिशत छात्रों को ही सही यातायात की सुविधा मिलती है। 90 प्रतिशत छात्रों को सरकार द्वारा प्रदान की गई साइकिल की सुविधा मिलती है। 88 प्रतिशत छात्रों के स्कूल की दूरी 5 किलोमीटर तक है जबकि 12 प्रतिशत छात्रों के स्कूल की दूरी 5 किलोमीटर से ज्यादा है।

निष्कर्ष

1. अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि पंचकुला, कुरुक्षेत्र तथा यमुनानगर जिले के अधिकतर स्कूलों में कक्षा–कक्ष, खेल का मैदान तथा कम्प्यूटर कक्ष उपलब्ध है।
2. सर्वशिक्षा के तहत मिलने वाली सुविधाएँ जैसे ब्लैक–बोर्ड, फर्नीचर तथा मिड–डे–मील, शौचालय, पीने का पानी आदि सुविधाएँ स्कूलों में उपलब्ध है।
3. अध्ययन से पता चला कि कुछ स्कूलों में कम्प्यूटर की शिक्षा देने के लिए कम्प्यूटर अध्यापक नियुक्त नहीं है।
4. पुस्तकालय, प्रयोगशाला, आर्ट एण्ड क्राफ्ट शिक्षा की सुविधा पूरी तरह से नहीं दी जाती है।
5. छात्रों को स्कूलों में वर्दी, किताबें, छात्रवृत्तियों की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन देरी से मिलने की समस्या है।
6. यातायात व आवासीय सुविधा उपलब्ध नहीं है।

सुझाव

1. शिक्षण सहायता सामग्री, किताबें और वर्दी, ब्लैक बोर्ड आदि कक्षाएँ आरम्भ होने के पन्द्रह दिनों के अन्दर–अन्दर मिलनी चाहिएं।
2. गर्मियों व बरसातों के दिनों में बिल्डिंग की कमी के कारण छात्रों को समस्या का सामना करना पड़ता है। इसलिए सरकार द्वारा उन स्कूलों में कमरों का निर्माण करवाया जाए, जहाँ कमरों की आवश्यकता है।
3. स्कूलों में छात्रों को दी जाने वाली पानी की व्यवस्था, शौचालय की सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के लिए कमेटी बनाई जानी चाहिए।
4. मिड–डे–मील का देर से मिलना तथा उसकी गुणवत्ता के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिएं और इसके निरीक्षण के लिए एक कमेटी गठित की जानी चाहिए।
5. सुझाव दिया जाता है कि छात्रों के लिए यातायात व आवासीय सुविधा का प्रबंध किया जाए।
6. जहाँ कम्प्यूटर अध्यापक नहीं है वहाँ कम्प्यूटर अध्यापक नियुक्त किए जाएं।
7. स्कूलों में समय की मांग को देखते हुए मल्टी मीडिया पठन–पाठन सामग्री का प्रयोग किया जाना चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. डॉ. दवे (1988), प्राथमिक स्तर पर छात्र उपलब्धि का अध्ययन।
2. गुप्ता, जे.के. एवं ए.बी.एल., श्रीवास्तव (1989), शैक्षिक रूप से पिछड़े राज्यों में प्राथमिक स्तर पर अपव्यय एवं अवरोधन का अध्ययन।
3. बुच, एम.बी. एवं जी.आर. सुदामे (1990), गुजरात में शहरी प्राथमिक शिक्षा–एक गहन अध्ययन।
4. ठाकुर, टी (1988), असम में प्राथमिक विद्यालयों में ड्रोप आऊट।
5. भार्गव, एस.एस. (1990), भारत में प्राथमिक स्तर पर नामांकन एवं शैक्षिक सुविधाओं के विकास का अध्ययन।
6. डॉ. एम.एस. सचदेवा, सैकेण्डरी एजुकेशन एण्ड स्कूल मैनेजमैंट, ट्वंटी फस्ट सैनच्युरी पब्लिकेशन पटियालो